

## सामान्य अध्ययन

प्रश्न पत्र - 1

टॉपिक - 1.1

विश्व इतिहास

“विश्व इतिहास के अतिलघुत्तरीय प्रश्न”

॥ पाठ्यक्रम ॥

पुनर्जागरण, इंग्लैण्ड की क्रांति, फ्रांस की क्रांति  
औद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध

## पुनर्जागरण

## फ्लोरेंस नगर:

- पुनर्जागरण का प्रारंभ इटली के फ्लोरेंस नगर से माना जाता है।

## दाँते:

- इटली के महान कवि दाँते (1260-1321 ई.) को पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता है।
- इनका जन्म फ्लोरेंस नगर में हुआ था।
- दाँते ने प्राचीन लैटिन भाषा को छोड़कर तत्कालीन इटली की बोल-चाल की भाषा 'टस्कन' में 'डिवाइन कॉमेडी' नामक काव्य लिखा। इसमें दाँते ने स्वर्ग और नरक की एक काल्पनिक यात्रा का वर्णन किया है।

## पेट्रॉक :

- इटली निवासी।
- दाँते के बाद पुनर्जागरण की भावना का प्रश्रय देनेवाला दूसरा व्यक्ति पेट्रॉक (1304-1367) था।
- पेट्रॉक को मानववाद का संस्थापक माना जाता है।

## बोकेशियो :

- इटालियन गद्य का जनक कहानीकार बोकेशियो (सन् 1313-1375 ई.) को माना जाता है।
- डेकामेरोन (Decameron) प्रसिद्ध पुस्तक है।

## मैकियावेली :

- आधुनिक विश्व का प्रथम राजनीतिक चिन्तक फ्लोरेंस निवासी मैकियावेली (1469-1567 ई.) को माना जाता है।
- मैकियावेली की प्रसिद्ध पुस्तक है : द प्रिन्स, जो राज्य का एक नवीन चित्र प्रस्तुत करती है।
- आधुनिक राजनीतिक दर्शन का जनक मैकियावेली को कहा जाता है।
- पुनर्जागरण की भावना की पूर्ण अभिव्यक्ति इटली के तीन कलाकारों की कृतियों में मिलती है। ये कलाकार थे- लियोनार्दो द विंची, माइकेल एंजेलो और राफेल।

## लियोनार्दो द विंची:

- चित्रकार, मूर्तिकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक, दार्शनिक, कवि और गायक।
- लियोनार्दो द विंची 'द लास्ट सपर' और 'मोनालिसा' नामक अमर चित्रों के रचयिता होने के कारण प्रसिद्ध है।

## माइकल एंजेलो:

- अद्भुत मूर्तिकार एवं चित्रकार।
- 'द लास्ट जजमेंट' एवं 'द फाल ऑन मैन' माइकल एंजेलो की कृतियाँ हैं।
- सिस्तान के गिरजाघर की छत में माइकल एंजेलो के द्वारा ही चित्र बनाये गये हैं।

## राँफेल:

- इटली का एक चित्रकार।
- सर्वश्रेष्ठ कृति जीसस क्राइस्ट की माता मेडोना का चित्र है।

## जियाटो:

- पुनर्जागरण काल में चित्रकला का जनक।

## फ्रांसिस बेकन:

- पुनर्जागरण काल का सर्वश्रेष्ठ निबंधकार
- इंग्लैंड निवासी।

## इरासमस:

- हॉलैंड निवासी।
- अपनी पुस्तक द प्रेज ऑफ फौली में व्यंग्यात्मक ढंग से पादरियों के अनैतिक जीवन एवं ईसाई धर्म की कुरीतियों पर प्रहार किया है।

## टॉमस मूर:

- इंग्लैंड के लेखक
- अपनी पुस्तक यूटोरिया में आदर्श समाज का चित्र प्रस्तुत किया है।

## मार्टिन लूथर :

- जर्मनी निवासी।
- धर्म-सुधार आन्दोलन की शुरुआत का प्रवर्तक।
- जर्मन भाषा में बाइबिल का अनुवाद प्रस्तुत किया है।

## रोजर बेकन:

- इंग्लैंड निवासी।
- आधुनिक प्रयोगात्मक विज्ञान का जन्मदाता माना जाता है।

## धर्म-सुधार आन्दोलन:

- धर्म-सुधार आन्दोलन की शुरुआत 16वीं सदी में हुई।
- धर्म-सुधार आन्दोलन की शुरुआत का प्रवर्तक मार्टिन लूथर था।
- धर्म-सुधार आन्दोलन की शुरुआत इंग्लैंड में हुई।
- जॉन विकलिफ को धर्म-सुधार आन्दोलन का प्रातः कालीन तारा कहा जाता है। इसके अनुयायी लोलाडर्स कहलाते थे।
- अमेरिका की खोज क्रिस्टोफर कोलम्बस ने की थी।
- अमेरिगो वेस्पुसी (इटली) के नाम पर अमेरिका का नाम अमेरिका पड़ा।
- प्रशान्त महासागर का नामकरण स्पेन निवासी मैगलन ने किया।
- समुद्री मार्ग से सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगानेवाला प्रथम व्यक्ति मैगलन था।
- पृथ्वी सौरमंडल का केन्द्र हैं : इसका खंडन सर्वप्रथम पोलैंड निवासी कोपरनिकस ने किया।
- गैलीलियो (1560-1642 ई.) ने भी कोपरनिकस के सिद्धांत का समर्थन किया।
- जर्मनी के प्रसिद्ध वैज्ञानिक केपला या केपलर (1571-1630 ई.) ने गणित की सहायता से यह बतलाया कि ग्रह सूर्य के चारों ओर किस प्रकार घूमते हैं।
- न्यूटन (1642-1726 ई.) ने गुरुत्वाकर्षण के नियम का पता लगाया।

### फ्रांस की राज्यक्रांति

- समानता, स्वतंत्रता और बन्धुत्व का नारा फ्रांस की राज्यक्रांति की देन है।

#### लुई सोलहवाँ:

- फ्रांस की राज्यक्रांति 1789 ई. में लुई सोलहवाँ के शासनकाल में हुई। इस समय फ्रांस में सामन्ती व्यवस्था थी।
- "मैं ही राज्य हूँ और मेरे शब्द ही कानून हैं।" यह कथन है-लुई चौदहवाँ का।
- वार्साय के शीशमहल का निर्माण लुई चौदहवाँ ने बनाया था।
- वार्साय को फ्रांस की राजधानी लुई चौदहवाँ ने बनाया था।
- लुई सोलहवाँ 1774 ई. में फ्रांस की गद्दी पर बैठा।
- लुई सोलहवाँ की पत्नी मेरी एंत्वानेत आस्ट्रिया की राजकुमारी थी।
- लुई सोलहवाँ को देशद्रोह के अपराध में फांसी दी गई।

#### बास्तील :

- फ्रांस का एक किला
- 14 जुलाई, 1789 ई. को क्रांतिकारियों ने बास्तील के कारागृह के फाटक को तोड़कर बंदियों को मुक्त कर दिया।
- तब से 14 जुलाई को फ्रांस में 'राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

#### टैले :

- एक प्रकार का भूमि कर था।

#### वाल्टेयर:

- फ्रांसीसी क्रांति में वाल्टेयर, माँटेस्क्यू एवं रूसो ने सर्वाधिक योगदान किया।
- वाल्टेयर चर्च का विरोधी था।
- लेटर्स ऑन इंग्लिश वाल्टेयर की रचना है।
- "सौ चूहों की अपेक्षा एक सिंह का शासन उत्तम है" यह उक्ति वाल्टेयर की है।

#### रूसो :

- फ्रांसीसी क्रांति में रूसो, माँटेस्क्यू एवं वाल्टेयर ने सर्वाधिक योगदान किया।
- रूसो फ्रांस में प्रजातन्त्रात्मक शासन पद्धति का समर्थक था।
- सोशल कांट्रैक्ट रूसो की रचना है।

#### माँटेस्क्यू:

- फ्रांसीसी क्रांति में माँटेस्क्यू, रूसो एवं वाल्टेयर ने सर्वाधिक योगदान किया।
- 'कानून की आत्मा' की रचना माँटेस्क्यू ने की थी।

#### हर्डर :

- फ्रांसीसी क्रांति में योगदान
- सांस्कृतिक राष्ट्रीयता का जनक हर्डर को कहा जाता है।

#### नेपोलियन :

- नेपोलियन का जन्म 15 अगस्त, 1769 ई. को कोर्सिका द्वीप की राजधानी अजासियो में हुआ था।
- नेपोलियन के पिता का नाम कार्लो बोनापार्ट था।
- नेपोलियन ने ब्रिटेन के सैनिक अकादमी में शिक्षा प्राप्त की।
- 1796 ई. में नेपोलियन ने इटली में आस्ट्रिया के प्रमुख को समाप्त किया।
- नेपोलियन 1799 ई. में प्रथम कॉन्सल बना और 1802 ई. में जीवनभर के लिए कॉन्सल बना।
- 1804 ई. में नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बना।

- आधुनिक फ्रांस का निर्माता नेपोलियन को माना जाता है।
- नेपोलियन ने ही सर्वप्रथम इंग्लैंड को 'बनियों का देश' कहा था।
- नेपोलियन ने पत्नी जोजेफाइन को तलाक देकर आस्ट्रिया की राजकुमारी मोरिया लुइसा से शादी की।
- टाल्फगर का युद्ध 21 अक्टूबर, 1805 ई. में इंग्लैंड एवं नेपोलियन के बीच हुआ।
- नेपोलियन के बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना 1800 ई. में की।
- नेपोलियन ने कानूनों का संग्रह तैयार करवाया, जिसे नेपोलियन का कोड कहा जाता है।
- नेपोलियन को नील नदी के युद्ध में अंग्रेजी जहाजी बेड़े के नायक नेल्सन के हाथों बुरी तरह पराजित होना पड़ा।
- यूरोप के राष्ट्रों ने मिलकर 1813 ई. में नेपोलियन को लिपजिग नामक स्थान पर हरा दिया और उसे बन्दी बनाकर एल्बा के टापू पर भेज दिया गया; परन्तु वह एल्बा से भाग निकला और पुनः फ्रांस का सम्राट बना।
- अन्ततः मित्रराष्ट्रों की सेना ने नेपोलियन को 18 जून, 1815 ई. को वाटरलू के युद्ध में पराजित कर बन्दी बना लिया और उसे सेंट हेलेना द्वीप पर भेज दिया। वहाँ 1821 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। नेपोलियन लिट्ल कारपोरल के नाम से जाना जाता है।
- नेपोलियन के पतन का कारण था, उसका रूस पर आक्रमण करना।
- इंग्लैंड के वाणिज्य एवं व्यापार का बहिष्कार करने के लिए नेपोलियन ने महाद्वीपीय व्यवस्था का सूत्रपात किया था।
- विना कांग्रेस समझौता के तहत यूरोप के राष्ट्रों ने 1815 ई. में फ्रांस को प्रभुत्व को समाप्त किया।
- माप-तौल की दशमलव प्रणाली फ्रांस की देन है।

### रूसी क्रांति

#### रॉबर्ट ओवेन :

- वेल्स निवासी।
- समाजवाद शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग।
- आदर्शवादी समाजवाद का प्रवक्ता रॉबर्ट ओवेन को माना जाता है।

#### कार्ल मार्क्स :

- जर्मनी निवासी।
- वैज्ञानिक समाजवाद का संस्थापक।
- कार्ल मार्क्स ने दास कैपिटल और कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो नामक पुस्तक लिखी है।
- 'दुनिया के मजदूरों एक हो' का नारा कार्ल मार्क्स ने दिया।
- कार्ल मार्क्स का आजीवन साथी रहा-फ्रेडरिक एंजेलस।

#### सेंट साइमन :

- फ्रांसीसी साम्यवाद का जनक सेंट साइमन को माना जाता है।

#### जॉर्ज बर्नाड शॉ :

- फेबियन सोशलिज्म का नेतृत्व जॉर्ज बर्नाड शॉ ने किया।
- लंदन में फेबियन सोसायटी की स्थापना 1884 ई. में हुई।

**जारशाही:**

- रूस के शासक को 'जार' कहा जाता था। यह जारशाही व्यवस्था मार्च, 1917 ई. में समाप्त हुई।
- रूस का अन्तिम जार शासक जार निकोलस द्वितीय था।
- जार मुक्तिदाता के नाम से अलेक्जेंडर द्वितीय को जाना जाता है।
- रूस के जार शासक अलेक्जेंडर द्वितीय हत्या बम-विस्फोट में हुई।
- एक जार, एक चर्च और एक रूस का नारा जार निकोलस द्वितीय ने दिया था।

**वोल्शेविक / लेनिन**

- सोशल डेमोक्रेटिक दल की स्थापना 1903 ई. में रूस में हुई। यह दल दो गुटों में विभाजित था-वोल्शेविक और मेन्शेविक।
- वोल्शेविक का अर्थ 'बहुसंख्यक' एवं मेन्शेविक का अर्थ 'अल्पसंख्यक' होता है।
- 7 नवम्बर, 1917 ई. की वोल्शेविक क्रांति का नेता लेनिन था।
- लेनिन ने चेका का संगठन किया था।
- वोल्शेविक दल का नेता लेनिन था।
- 16 अप्रैल, 1917 ई. में लेनिन ने रूस में क्रांतिकारी योजना प्रकाशित की, जो 'अप्रैल थीसिस' के नाम से जानी जाती है।
- 1921 ई. में लेनिन ने रूस में नई आर्थिक नीति लागू की।
- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान लेनिन का नारा था 'युद्ध का अन्त करो'।
- लेनिन की मृत्यु 1924 ई. में हो गयी।

**ट्राट्स्की:**

- लाल सेना का संगठन ट्राट्स्की ने किया था।
- स्थायी क्रांति के सिद्धांत का प्रवर्तक ट्राट्स्की था।

**अन्य:**

- 1917 ई. में हुई रूसी क्रांति का तात्कालिक कारण प्रथम विश्व युद्ध में रूस की पराजय थी।
- रूस में सबसे अधिक जनसंख्या स्लाव लोगों की थी।
- अन्ना कैरेनिना के लेखक लियो टाल्सटाय था।
- शून्यवाद का जनक तुर्गनेव को माना जाता है।
- रूसी साम्यवाद का जनक प्लेखानोव को माना जाता है।
- आधुनिक रूस का निर्माता स्टालिन को माना जाता है।
- 'राइट्स ऑफ मैन' का लेखक टॉमस पेन है।
- 'मदर' की रचना मैक्सिम गोर्की ने की।

**औद्योगिक क्रांति**

- औद्योगिक क्रांति की शुरुआत इंग्लैंड में हुई, क्योंकि इंग्लैंड के पास उपनिवेशों के कारण कच्चे माल और पूँजी की अधिकता थी।
- इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत सूती कपड़ा उद्योग से हुई।
- सबसे पहले स्कॉटलैंड के मैकेडम नामक व्यक्तियों ने पक्की सड़के बनाने की विधि निकाली।

- 1761 ई. में ब्रिंडले नामक इंजीनियर ने मैनचेस्टर से वर्सले तक नहर बनायी।
- 1814 ई. में जॉर्ज स्टीफेंसन ने रेल द्वारा खानों से बन्दरगाहों तक कोयला ले जाने के लिए भाप-इंजन का प्रयोग किया।
- औद्योगिक क्रांति की दौड़ में जर्मनी इंग्लैंड का प्रतिद्वन्दी था।

**औद्योगिक क्रांति के हुए आविष्कार**

आविष्कार	आविष्कारक	वर्ष ई.
तेज चलने वाला शटल	जान	1733
स्पिनिंग जेनी	जेम्स हारग्रीव्ज	1765
स्पिनिंग जेनी (पानी की शक्ति से चालित)	रिचार्ड आर्कराइट	1767
स्पिनिंग म्यूल	क्राम्पटन	1776
घोड़ा द्वारा चलाये जाने वाला करघा	कार्ट राइट	.....
सेफ्टी लैम्प	हम्फ्री डेवी	1815

**इंग्लैंड में क्रांति**

- इंग्लैंड में गृह-युद्ध चार्ल्स प्रथम के शासनकाल में 1642 ई. में हुआ।
- इंग्लैंड में गौरवपूर्ण क्रांति 1688 ई. में हुई। उस समय इंग्लैंड का शासक जेम्स द्वितीय था।
- सौ वर्षीय युद्ध इंग्लैंड एवं फ्रांस के बीच हुआ था।
- गुलाबों का युद्ध इंग्लैंड में हुआ।
- इंग्लैंड के सामन्तों ने राजा जॉन को सन् 1215 ई. में एक अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया। इस अधिकार पत्र को मैग्नाकार्टा कहा जाता है। यह सर्वसाधारण के अधिकारों का घोषण पत्र था।
- ट्यूडर वंश के शक्तिशाली राजाओं के शासनकाल में संसद उनके हाथों की कठपुतली बनी रही।
- एलिजाबेथ प्रथम का संबंध ट्यूडर वंश से था।
- इंग्लैंड में गृह-युद्ध सात वर्षों तक चला।
- इंग्लैंड के राजा चार्ल्स प्रथम को फ्रांसीसी की सजा दी गयी।
- गृह-युद्ध के दौरान राजा के समर्थकों को कैवेलियर कहा गया था और संसद के समर्थकों को राउंडहेड्स कहा गया।

**प्रथम विश्वयुद्ध**

- प्रथम विश्वयुद्ध की शुरुआत 28 जुलाई, 1914ई. को आस्ट्रिया द्वारा सर्बिया पर आक्रमण किये जाने के साथ हुई। यह चार वर्षों तक चला। इसमें 37 देशों ने भाग लिया।
- प्रथम विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण आस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेंड की बोस्निया की राजधानी सेराजेवो में हत्या थी।
- प्रथम विश्वयुद्ध में सम्पूर्ण विश्व दो खेमों में बँट गया-मित्र राष्ट्र एवं धुरी राष्ट्र।

- धुरी राष्ट्रों का नेतृत्व जर्मनी ने किया। इसमें शामिल अन्य देश थे-आस्ट्रिया, हंगरी और इटली आदि।
- मित्र राष्ट्रों में इंग्लैंड, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस एवं फ्रांस शामिल था।
- गुप्त संधियों की प्रणाली का जनक **बिस्मार्क** था।
- आस्ट्रिया, जर्मनी एवं इटली के बीच त्रिगुट का निर्माण 1882 ई. में हुआ।
- सर्बिया की गुप्त क्रांतिकारी संस्था थी-**काला हाथ**।
- रूस-जापान युद्ध (1904 -05 ई.) का अन्त अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट की मध्यस्थता से हुआ।
- मोरक्को संकट 1906 ई. में पैदा हुई।
- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने रूस पर आक्रमण 1 अगस्त, 1914 ई. में एवं फ्रांस पर आक्रमण 3 अगस्त, 1914 ई. में किया।
- 8 अगस्त, 1914 को इंग्लैंड प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ।
- 26 अप्रैल, 1915 ई. को इटली मित्र राष्ट्रों की ओर से प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ।
- प्रथम विश्वयुद्ध के समय अमेरिका का राष्ट्रपति **वुडरो विल्सन** था।
- अमेरिका 6 अप्रैल, 1917 ई. को प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ।
- जर्मनी के यू-बोट द्वारा इंग्लैंड के लूसीतानिया नामक जहाज को डुबाने के बाद अमेरिका प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ, क्योंकि उस जहाज पर मरने वाले 1153 व्यक्तियों में 128 व्यक्ति अमेरिकी थे।
- प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति 11 नवम्बर, 1918 ई. को हुई।
- 18 जून, 1919 ई. को पेरिस शांति सम्मेलन हुआ, जिसमें 27 देश भाग ले रहे थे, मगर शांति-संधियों की शर्तें केवल तीन देश-ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका तय कर रहे थे।
- पेरिस शांति सम्मेलन में शांति-संधियों की शर्तें निर्धारित करने में जिन राष्ट्राध्यक्षों ने मुख्य भूमिका निभाई, वे थे-अमेरिकी राष्ट्रपति **वुडरो विल्सन**, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री **लॉर्ड जॉर्ज** और फ्रांस के प्रधानमंत्री **जॉर्ज क्लेमेसो**।
- वर्साय की संधि 28 जून, 1919 ई. को जर्मनी के साथ हुई।
- युद्ध के हजाने के रूप में जर्मनी से 6 अरब 50 करोड़ पौंड की राशि की माँग की गयी।
- अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में प्रथम विश्वयुद्ध का सबसे बड़ा योगदान राष्ट्रसंघ की स्थापना थी।
- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान होनेवाली वर्साय की संधि में द्वितीय विश्वयुद्ध का बीजारोपण हुआ।

## द्वितीय विश्वयुद्ध

- 1 सितम्बर, 1939 ई. को जर्मनी ने पोलैंड पर आक्रमण किया। इसके दो दिन बाद फ्रांस एवं ब्रिटेन ने जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की और इसी के साथ द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई। यह 6 वर्षों तक लड़ा गया। इसका अन्त 2 सितम्बर, 1945 ई. को हुआ। इसमें 61 देशों ने भाग लिया।
- द्वितीय विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण **जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण** था।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मन **जनरल रोमेल** का नाम **डेजर्ट फॉक्स** रखा गया था।
- म्यूनिख पैक्ट सितम्बर, 1939 ई. में सम्पन्न हुआ।
- जर्मनी ने **वर्साय की संधि** का उल्लंघन 1935 ई. में किया।
- स्पेन में गृह युद्ध 1936 ई. में शुरू हुआ। संयुक्त रूप से इटली एवं जर्मनी का पहला शिकार **स्पेन** था।
- जर्मनी द्वारा सोवियत संघ पर आक्रमण करने की योजना को ऑपरेशन **बारबोसा** कहा गया।
- 23 अगस्त, 1939 ई. को जर्मनी रूस आक्रमण समझौते पर हस्ताक्षर हुए। जर्मनी ने रूस पर समझौता उल्लंघन का आरोप लगाकर उस पर जून, 1941 ई. में आक्रमण कर दिया।
- जर्मनी की ओर से द्वितीय विश्वयुद्ध में 10 जून, 1940 ई. को **इटली** ने प्रवेश किया।
- **अमेरिका** का द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रवेश **8 दिसम्बर, 1941 ई.** को हुआ।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल एवं अमेरिका का राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट था।
- इंग्लैंड की शानदार अलगाववाद की नीति का विचारक **सेलिसेवरी** था।
- वर्साय की संधि को **आरोपित संधि** के नाम से जाना जाता है।
- द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय का श्रेय रूस को दिया जाता है।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने 6 अगस्त, 1945 ई. को जापान पर अणुबम का प्रयोग किया। इस युद्ध में मित्रराष्ट्रों द्वारा पराजित होने वाला अंतिम देश जापान था।
- अमेरिका ने 6 अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर **लिट्ल बॉय** (यूरेनियम-235) तथा 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर **फैटमैन** (प्लोटोनियम-293) नामक एटम बम गिराया था।
- अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में द्वितीय विश्वयुद्ध का सबसे बड़ा योगदान **संयुक्त राष्ट्रसंघ** की स्थापना है।